3. वाणिज्यिक ग्राहक समूह (सीसीजी)

क. वाणिज्यिक ग्राहक

सीसीजी वर्टिकल का नेतृत्व प्रबंध निदेशक द्वारा किया जाता है तथा दो डीएमडी, पांच सीजीएम तथा महाप्रबंधकों के नेतृत्व में 10 सीसीजी क्षेत्रीय कार्यालय (सीसीजीआरओ) उन्हें सहयोग करते हैं। देशभर में आठ स्थानों पर सीसीजी की 51 शाखाएं हैं। इस वर्टिकल में विशिष्ट उद्योगों तथा पूंजी बाजारों की आवश्यकता की पूर्ति करने वाली शाखाओं जैसी विशेषीकृत शाखाएं भी शामिल हैं। इस वर्टिकल का कार्य कॉरपोरेट ग्राहकों के इस खंड की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करना, संबद्ध जोखिमों को प्रबंधित करना तथा विकास को निरंतर बनाए रखना है ।

पूरे समूह में आवृत्ति की गुणवत्ता को सुधारने तथा अन्य बातों के साथ-साथ एक्स्पोज़र, आय पर एकीकृत दृष्टिकोण को समर्थित करने के लिए सीसीजी में मुख्य महाप्रबंधक को समूह संपर्क अधिकारी की जिम्मेदारी दी जाती है। उधार, बॉण्ड, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग तथा स्ट्रक्चर्ड/ मेज़नीन वित्तपोषण के बड़े प्रस्तावों के लिए संरचना को सहयोग देने के लिए आपके बैंक ने संरचना विशेषज्ञों की एक अनुभवी टीम स्थापित की है।

सीसीजी मार्च 2020 तथा मार्च 2021 का स्तर निम्नानुसार है

(करोड़ रुपए में)

स्तर	मार्च 2020	मार्च 2021
गैर- खाद्य अग्रिम	415,744	408,110
कासा जमा (%)	26.04	23.64
औसत व्यापार प्रति कर्मचारी	150.26	168.97
अन्य आय (एयूसीए वसूली से आय के अलावा)	2,777	3,163
टीपीएम पूर्व परिचालन लाभ	33,311	32,623

<u>योनो बिजनेस</u>

आईटी के साथ मिलकर सीसीजी ने कॉरपोरेट ग्राहकों के लिए एक डिजिटल उत्पाद, योनो बिजनेस लॉन्च किया है, जो लेनदेन बैंकिंग के साथ ही साथ ट्रेड फाइनेंस व्यवसाय के लिए भी श्रेष्ठ उपभोक्ता हितैषी प्लेटफार्म उपलब्ध करवाने के उद्देश्य के साथ डिजाइन किया गया है। इससे पहले बैंक के पास पांच ग्राहक इंटरफ़ेस, यथा, कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग (सीआईएनबी), नकद प्रबंधन उत्पाद (सीएमबी), ई-ट्रेड, ई-फॉरेक्स तथा आपूर्ति शृंखला वित्तपोषण थे, और अब इन सभी को एक मंच के रूप में ही योनो बिजनेस के नाम से लांच किया गया है। आगे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों की ऑनबोर्डिंग के लिए पहले अनेक दस्तावेज तथा शाखाओं में बार-बार जाने की आवश्यकता थी जिन्हें अब एक दस्तावेज तथा शाखा के एक दौरे तक सीमित कर दिया गया है। शाखा दौरा समाप्त करने के लिए उपयोगकर्ता प्रोफाइल प्रबंधन में सुधार किया गया। ट्रेड फाइनेंस व्यवसाय की वॉलेट भागीदारी को बढ़ाने के लिए, आयात एलसी जारी करने हेतु पूर्णतः डिजिटल भागीदारी को लांच किया गया। एलसी संशोधन, बंद करने के लिए अनुरोध तथा लेनदेन देखने एवं उनका प्रबंधन करने, एलसी बिल स्वीकरण आदि भी इसका हिस्सा है। अब निर्यात एलसी परामर्श तथा यूनिफाइड एक्सपोर्ट बिल लॉजमेंट तथा नेगोशिएशन/डिस्काउंटिंग पर काम किया जा रहा है।

फॉरेक्स व्यवसाय से आय बढ़ाने के लिए, डिजिटल अनुभव हेतु दस्तावेज़ अपलोड सुविधा के साथ फॉरेक्स रेट बुकिंग शुरू की गई। एक पूर्वनिर्धारित प्रारंभिक सीमा के ऊपर ग्राहक के पास डीलर से सौदा करने का विकल्प होता है। कुछ चयनित प्रकार के फॉरेक्स बुकिंग के लिए मूल/ हार्ड प्रति की प्रस्तुति में छूट दी जाएगी। मोबाइल पर ई-फॉरेक्स जारी करने की योजना तैयार की जा रही है। पूर्व अनुमोदित व्यावसायिक ऋण के लिए डिजिटल जर्नी तथा सेवाओं के लिए अनुरोध भी शुरू किया गया है।

एक निर्बाध भुगतान सफर हेतु कॉरपोरेट कंपनियों के लिए एपीआई बैंकिंग सेवाएं जल्द जारी की जाएंगी। इससे मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन के उपयोग सहित पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ सीधे ग्राहक के ईआरपी से भुगतान करना संभव होगा। वैश्विक स्तर पर इस श्रेणी के श्रेष्ठ अनुभव के लिए हम कॉरपोरेट कंपनियों के लिए निधि अंतरण के अनुभव को भी सरल बना रहे हैं।

ट्रेड फाईनेंस तथा फॉरेक्स बिजनेस के लिए समूह अपने ग्राहकों को मजबूत मंच निरंतर उपलब्ध करवा रहा है। बैंक के सभी ट्रेड फाईनेंस लेनदेनों के संसाधन के लिए हम दो केंद्रीयकृत संसाधन कक्ष (सीपीसी) स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। यह सीपीसी क) डिलिवरी -बेहतर टीएटी, सूचना प्रवाह तथा ग्राहक संतुष्टि - ख) विनियामक अनुपालन तथा सी) हाउसकीपिंग में क्षमताओं को बढ़ाएंगे।

मूल्य निर्धारण तथा ज्ञान पर डिजिटल इंटरफेस (डीआईपीएके), एक नया मूल्य निर्धारण टूल है जो हमारे कॉरपोरेट ऋणों के डाटा-आधारित मूल्य निर्धारण को सक्षम करने के लिए परिचालन कर्मचारियों तथा मंजूरी समितियों को उपलब्ध करवाया गया है। यह हमारी सभी सीसीजी शाखाओं में शुरू किया गया है।

ख प्रोजेक्ट फाईनैंस तथा स्ट्रक्चरिंग एसबीयू

आपके बैंक की विशेष व्यवसाय इकाई, जिसे प्रोजेक्ट फाईनैंस तथा स्ट्रक्चरिंग रणनीतिक व्यवसाय इकाई (पीएफ एवं एस एसबीयू) के नाम से जाना जाता है, का काम बुनियादी संरचना के साथ ऊर्जा, सड़क, पोर्ट, रेलवे, हवाईअड्डे आदि अन्य क्षेत्रों में बड़ी परियोजनाओं के मूल्यांकन तथा उनके निधियन की व्यवस्था करना है। न्यूनतम परियोजना लागत पर निर्धारित यह धातु, ऊर्वरक, सीमेंट, तेल एवं गैस आदि अन्य गैर- बुनियादी संरचना परियोजनाओं को भी आवृत्त करता है। पीएफ एवं एसबीयू अन्य वर्टिकल्स को भी उनके बड़े सावधि ऋण प्रस्तावों की जांच में सहायता प्रदान करता है। बुनियादी संरचना के वित्त पोषण के लिए नीति तथा विनियामक फ्रेमवर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से नई नीतियों पर उधारदाताओं के दृष्टिकोण, मॉडल छूट करार तथा बुनियादी संरचना वित्तपोषण के विभिन्न मुद्दों के संबंध में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों तथा आरबीआई को इनपुट उपलब्ध करवाए जाते हैं।

विभिन्न क्षेत्रवार सुधारों तथा प्रोत्साहनों, जिनके परिणाम स्वरूप विशेष रूप से सिटी गैस वितरण सड़क, ऊर्जा नवीकरण आदि अन्य क्षेत्रों में नई परियोजनाओं में वृद्धि हुई है, के साथ सरकार द्वारा बुनियादी संरचना क्षेत्रों में निवेश में बढ़ोतरी की गई है। फरवरी 2021 के बजट में घोषित विभिन्न क्षेत्रों के लिए निष्पादन संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) के साथ रु. 5.54 लाख करोड़ के वर्धित कैपेक्स खर्च तथा अनुपूरक के रूप में 7700 बुनियादी संरचना परियोजनाओं को सहयोग देने के लिए रु.140 लाख करोड़ के अनुमानित निवेश के साथ राष्ट्रीय बुनियादी संरचना पाइपलाइन (एनआईपी) जारी करने से बुनियादी संरचना क्षेत्र में प्रोत्साहन बढ़ने की उम्मीद है। बैंक कार्यान्वयन के अधीन सभी परियोजनाओं पर करीब से निगरानी रख रहा है तथा लघु से मध्यम अवधि के बीच कोविड-19 महामारी के प्रभाव से बाहर निकलने की अपेक्षा है।

'उद्भव से संवितरण' व्यवसाय मॉडल की ओर परिवर्तन को इंगित करते हुए स्ट्रक्चरिंग टीम की स्थापना पीएफ एवं एसएसबीयू में की गई है ताकि लेनदेन से इक्विटी पर रिटर्न को प्राथमिकता पर रखते हुए परियोजनाओं की वित्तपोषण संरचना के लिए अनुकूलित स्ट्रक्चरिंग समाधान उपलब्ध करवाए जा सकें। हमारे ग्राहकों को स्ट्रक्चरिंग समाधान उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों तथा उद्योगों से अनुभवी अधिकारियों को भर्ती किया गया है।

वाटर इन्फ्राबिल्ड प्रा. लि.

आरएसपीएल (केमिकल)

मधेपुरा इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव प्रा. लि.

स्वान एल एनजी प्राइवेट लिमिटेड

श्री सी. एस. शेट्टी, प्रबंध निदेशक (आर एवं डी बी) द्वारा 12 एसएमई शाखाओं का उद्घाटन

4 तनावग्रस्त आस्ति प्रबंधन

1. बैंक में एनपीए की आवाजाही और पिछले चार वित्तीय वर्षों के दौरान बट्टा खातों में वसूली नीचे प्रस्तुत की गई है:

(करोड़ में)

स्तर	वित्त वर्ष 2017*	वित्त वर्ष 2018	वित्त वर्ष 2019	वित्त वर्ष 2020	वित्त वर्ष 2021
सकल एनपीए	1,77,866	2,23,427	1,72,750	1,49,092	1,26,389
सकल एनपीए%	9.11%	10.91%	7.53%	6.15%	4.98%
निवल एनपीए%	5.19%	5.73%	3.01%	2.23%	1.50%
नई बढ़ोतरी + बकाया में बढ़ोतरी	1,15,932	1,00,287	39,740	54,510	29,332
निवल वसूली / अपग्रेडेशन	32,283	14,530	31,512	25,781	17,632
बट्टा खाते में	27,757	40,196	58,905	52,387	34,403
एयूसीए में वसूली	3,963	5,333	8,345	9,250	10,297
पीसीआर	61.53%	66.17%	78.73%	83.62%	87.75%

**विलय के बाद*

2. कोविड-19 की पृष्ठभूमि में, हालांकि वित्त वर्ष 2020-2021 के दौरान एनपीए स्तर में बड़ी तेजी आने का अनुमान है, आपका बैंक नई चुनौतियों का सामना करने और प्रदर्शन परिसंपत्तियों के रूप में निरंतरता बनाए रखने के लिए अपने उधारकर्ताओं को सहायता प्रदान करके सभी अग्र-क्रय उपाय कर रहा है। हालांकि, निम्नलिखित के कारण एनपीए के मौजूदा स्तर में काफी कमी आई है:

I. उच्च मूल्य की तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए विवेकपूर्ण ढांचे पर आरबीआई के 7 जून 2019 के परिपत्र में इन खातों (एनसीएलटी प्रक्रिया से बाहर) के समयबद्ध समाधान के लिए एक नया अवसर प्रदान किया गया है। आपका बैंक सक्रिय रूप से इस मोड के तहत समाधान की खोज कर रहा है।

II. तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए दिवाला एवं दिवालियापन संहिता (आईबीसी) 2016 ने बैंक को तनावग्रस्त परिसंपत्तियों से निपटने के लिए समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी तंत्र प्रदान किया है। संहिता के तहत एनसीएलटी को भेजे गए कुछ उच्च मूल्य वाले एनपीए खातों में समाधान निकाला गया है। समाधान के लिए एनसीएलटी को भेजे गए मामलों की निगरानी एसएआरजी में एक विशेषीकृत एनसीएलटी सेल में की जाती है। 31 मार्च 2021 तक कुल 900 मामले (पूरे बैंक से) एनसीएलटी को भेजे गए थे, जिनमें से 707 मामले स्वीकार किए गए हैं। इसके अलावा, आरबीआई की पहली और दूसरी संदर्भ सूचियों से कुछ उच्च मूल्य खातों सहित 112 मामलों का समाधान किया गया है ।

III. पात्र मामलों से समस्यामूलक ऋणों की वसूली के लिए ओटीएस/समझौता मार्ग पर भी विचार किया जाता है। बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित विभिन्न उत्पादों के लिए गैर-विवेकाधीन और भेदभाव रहित ओटीएस योजना को सभी पात्र उधारकर्ताओं को अधिकतम समाधानों के लिए भी पेश किया जाता है।

IV. गैर-एनसीएलटी मामलों में सरफेसी अधिनियम के तहत कार्रवाई, डीआरटी और अदालतों में वाद दायर करने के माध्यम से वसूली का प्रयास किया जाता है। आईबीए के तत्वावधान में समान ई-नीलामी मंच https:// ibapi.in ("ई-क्रय"- भारतीय बैंक नीलामी संपत्ति सूचना) के माध्यम से गिरवी रखी गई संपत्तियों की बिक्री का पता लगाया जाता है।

3 क्षेत्र विशिष्ट दृष्टिकोण के साथ एनपीए के समाधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह(एसएआरजी) है। वर्तमान में, वर्टिकल का नेतृत्व प्रबंध निदेशक द्वारा किया जाता है, जिन्हें उप प्रबंध निदेशक और तीन मुख्य महाप्रबंधक क्षेत्रवार पोर्टफोलियो की देखरेख करते हुए सहयोग करते हैं और एक सीजीएम (परिचालन) खातों के क्रेडिट पोर्टफोलियो की निगरानी करते हैं, जो रु. 50 करोड़ तक के बकाया खातों और परिसमापन के अधीन खातों के क्रेडिट पोर्टफोलियो की निगरानी करते हैं। छह महाप्रबंधकों के मार्गदर्शन में खाता प्रबंधन टीमें कार्य करती हैं। *मार्च 2021 तक, एसएआरजी की देश भर में 17 दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखाएं (एसएएमबी) और 48 दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखाएं (एसएआरबी) हैं, जिनमें आपके बैंक के एनपीए और एयूसीए का क्रमशः 49% और 88% हिस्सा शामिल है।*